भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **740**

दिनांक 6 फरवरी , 2020 / 17 माघ, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ानों में देरी

740. **श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:**
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री गजानन कीर्तिकर:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में प्रदूषण और कोहरे के कारण बड़ी संख्या में विमान-उड़ानों में विलंब/पथ परिवर्तन/रद्दीकरण/समय परिवर्तन हुआ और यदि हां, तो तत्संबंधी एयरलाइन-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इसके परिणामस्वरूप विभिन्न एयरलाइनों को एयरलाइन-वार कितना वित्तीय नुकसान हुआ है;

(ग) क्या टियर-II श्रेणी के शहरों के हवाई अड्डे सबसे अधिक प्रभावित हैं क्योंकि ये एडवांस इन्स्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) के अभाव के कारण मध्यम कोहरे की स्थिति से भी निपटने में असमर्थ हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विमानपत्तनों में आईएलएस लगाने सहित इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) अक्टूबर, 2019 से दिसंबर, 2019 के दौरान खराब मौसम के कारण विलंब/पथ परिवर्तन/रद्दीकरण/समय परिवर्तन हुई उड़ानों का एयरलाइन वार विवरण अनुबंध-1 के तौर पर संलग्न है।
(ख) एयरलाइनों द्वारा अक्टूबर, 2019 से दिसंबर, 2019 के दौरान, अपने प्रभावित यात्रियों को प्रतिपूर्ति/सुविधा प्रदान करने के लिए व्यय किये गए वित्तीय निहितार्थ का विवरण जो कि उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को परिवहन डेटा के तौर पर मासिक आधार पर जमा किया है, का विवरण अनुबंध 2 के रूप में संलग्न है।
(ग) परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर अनेक हवाई अड्डों पर उन्नत आईएलएस (सीएटी II /सीएटी III) संस्थापित हैं।
(घ) परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, अमृतसर, कोलकाता एवं बैंगलूरू जैसे हवाई अड्डों पर उन्नत आईएलएस पहले ही संस्थापित किये जा चुके हैं। इसके अलावा अनेक हवाई अड्डों जैसे कि झारसुगुड़ा, बेलगावी, कन्नूर, हुबली, राजामुंदरी, जबलपुर एवं कालाबुर्गी पर एक नई सुविधा के तौर पर आईएलएस प्रणाली को संस्थापित करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

*****

लोक सभा के दिनांक 06.02.2020 तारांकित प्रश्न संख्या 740 के भाग (क) के उत्तर का अनुलग्नक

अनुलग्नक-1

एयरलाइन	**पिछले तीन महीनों के दौरान विलंब/पथ परिवर्तन/रद्दीकरण/समय परिवर्तन की गई उड़ानों की संख्या (अर्थात अक्टूबर 2019, नवंबर 2019 और दिसंबर 2019)**
इंडिगो	2963
एयर इंडिया	676
स्पाइसजेट	495
विस्तारा	559
एयर एशिया	322
गो एयर	1289
ट्रूजेट	शून्य

लोक सभा के दिनांक 06.02.2020 तारांकित प्रश्न संख्या 740 के भाग (ख) के उत्तर का अनुलग्नक

अनुलग्नक-2

एयरलाइन	**अक्टूबर -19 से दिसंबर -19 के महीने के लिए सुविधाओं और मुआवजे की स्थिति (लाख में)**
स्पाइसजेट	370.28
एयर इंडिया	कोहरे और प्रदूषण के कारण विलंब/पथ परिवर्तन/रद्दीकरण/समय परिवर्तन उड़ानों पर किए गए खर्चों का विशिष्ट / अलग विवरण उपलब्ध नहीं है। तथापि, अक्तूबर, 2019 से दिसबंर, 2019 की अवधि के दौरान एअर इंडिया द्वारा बोर्डिंग से मना करने तथा विलंबित/रद्दकरण से संबंधित व्यय में कुल 6.3 करोड़ रूपये खर्च हुए।
गो एयर	सभी ग्राहकों को पूर्ण धनवापसी / जलपान / भोजन / रेकॉर्डेशन प्रदान किया गया
इंडिगो	19.18
एयर एशिया	109.76
विस्तारा	57.58
ट्रूजेट	2.66